48	वाणावाद्स्तु वाणाकः ॥ ६२४ ॥	
49	वेणुध्मः स्याद्वैणाविकः	
50	पाणियः पाणिवाद्कः।	67
51	स्यात्प्रातिक्रिको मायाकारो	
52	माया तु शाम्बरी ॥ ६२५ ॥	
53	इन्द्रजालं तु कुक्कं जालं कुसृतििर्त्यिप।	
54	कीतू क्लं तु कुतुकं कीतुकं च कुतू क्लम् ॥ १२६॥	
55	व्याधा मृगवधातीवी लुब्धका मृगयुश्च सः।	27
56	पापिर्द्धमृगयाबेरो मृगव्याक्रारने म्रपि ॥ १२७ ॥	-
57	तालिकस्तु वागुरिको	
58 .	वागुरा मृगतालिका।	
59	श्रुम्बं वरारको रुज़ुः श्रुल्वं तस्त्रीवरोगुणाः ॥ १२८ ॥	
60	धीवरे दासकैवर्ती का मान्य मान्	T
61	गणानामा विद्यां मत्स्यवेधनम्।	
62	म्रानायस्तु मत्स्यतालं	-
63	कुवेणी मत्स्यवन्धनी ॥ १२१ ॥	
64	त्रीवात्तकः शाकुनिको	
48. Vînâ-Spieler (2 W.). — 49. Flötenspieler (2 W.). — 50. Einer, der nach dem Takt die Hände an einander schlägt (2 W.). —		
51. Taschenspieler (2 W.). — 52. Taschenspielerin (2 W.). — 53.		
Kunstgriff (4 W.). — 54. Neugierde (4 W.). — 55. Jäger (4 W.). —		
56. Jagd (5 W.). — 57. Der mit Netzen jagt (2 W.). — 58. Jäger- netz (2 W.). — 59. Strick (7 W.). — 60. Fischer (3 W.). — 61. Angel		
		4 1 2 2 2 4

(2 W.). - 62. Fischernetz (2 W.). - 63. Fischkorb (2 W.). -

64. Vogelsteller (2 W.).